ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. NO.- 205-208

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व विकास पर सामाजिक परिपक्वता का प्रभाव

1. स्वाती जायसवाल
2. डॉ0 श्रीमती अपर्णा शर्मा

1. शोध अध्येत्री–गृह विज्ञान, जीवाजी विश्वविद्यालय, 2. मार्गदर्शिका– वी0आर0जी0 कालेज, ग्वालियर (म0प्र0) भारत

Received-10.08.2022, Revised-18.08.2022, Accepted-23.08.2022 E-mail: sati.dev2611@gmail.com

सारांशः – *सामाजिक परिपक्वता का व्यक्तित्व विकास से घनिष्ठ सम्बन्ध है। व्यक्तित्व के विकास पर माता–पिता, साथियों, समाज, संस्कृति आदि सभी का प्रभाव पड़ता है। बालक के सामाजिक परिवेश में सभी अन्य कई तरह भी संस्थायें, क्लब, मनोरंजन तथा सम्प्रेषण के साधन, साहित्यिक तथा ललित कलाओं से सम्बन्धित संस्थायें, पुस्तकें तथा अन्य सभी प्रकार का साहित्य आदि सभी किसी न किसी रूप में बालक के सामाजिक परिपक्वता में सहयोग कर उसके व्यक्तित्व को मोड़ने में अधिकाधिक प्रभावकारी सिद्ध होते हैं।*

कुंजीभूत शब्द– सामाजिक परिपक्वता, व्यक्तित्व विकास, समाज, संस्कृति, मनोरंजन, सम्प्रेषण के साधन, साहित्यिक।

व्यक्तित्व बालकों के विकास का एक अति महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्तित्व ही एक ऐसी वस्तु है, जिसके कारण व्यक्ति वाह्य रूप से अनेक विशेषताओं में समान होने पर भी विभिन्न रूपों में दिखाई देता है। अतः व्यक्तित्व को किसी व्यक्ति के वाह्य एवं आंतरिक गुणों के सामंजस्यपूर्ण संगठन के रूप में व्यक्त किया जाता है।

उत्तर बाल्यावस्था व्यक्तित्व के विकास की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इस अवस्था में एक तो बालक की जन्मजात क्षमताओं का अधिकतम विकास हो जाता है, दूसरा उसके वातावरण का क्षेत्र व्यापक हो जाता है और तीसरा उसे विद्यालय में अध्ययन द्वारा अनुभव तथा ज्ञान प्राप्त करने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है।

सामाजिक परिपक्वता का व्यक्तित्व विकास से घनिष्ठ सम्बन्ध है। व्यक्तित्व के विकास पर माता–पिता, साथियों, समाज, संस्कृति आदि सभी का प्रभाव पड़ता है। बालक के सामाजिक परिवेश में सभी अन्य कई तरह की संस्थायें, क्लब, मनोरंजन तथा सम्प्रेषण के साधन, साहित्यिक तथा ललित कलाओं से सम्बन्धित संस्थायें, प्रचार के संसाधनों, समाचार पत्र–पत्रिकायें, पुस्तकें तथा अन्य सभी प्रकार का साहित्य आदि सभी किसी न किसी रूप में बालक के सामाजिक परिपक्वता में सहयोग कर उसके व्यक्तित्व को मोड़ने में अधिकाधिक प्रभावकारी सिद्ध होते हैं।

जब बालक द्वारा समस्त सामाजिक व्यवहार को ग्रहण तथा स्वीकृत कर लेता है तब यह सामाजिक व्यवहार निश्चित प्रतिक्रिया के रूप में बालक के व्यवहार में प्रकट होने लगते हैं। यही सामाजिक विकास सामाजिक परिपक्वता कहलाता है, जो बालकों के व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करता है।

उद्देश्य–

1. उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्त्वि का अध्ययन करना।
2. उत्तर बाल्यावस्था के बालकों की सामाजिक परिपक्वता का अध्ययन करना।
3. उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व पर उसकी सामाजिक परिपक्वता के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध पद्धति–प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधार्थी ने निम्न शोध पद्धति का उपयोग किया है।

परिकल्पना–शोधार्थी ने निम्नलिखित शून्य परिकल्पना निर्मित की है–

1. उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व में कोई सार्थक विभिन्नता नहीं पाई जावेगी।
2. उत्तर बाल्यावस्था के बालकों की सामाजिक परिपक्वता में सार्थक विभिन्नता नहीं पायी जावेगी।
3. उत्तर बाल्यावस्था के बालकों का व्यक्तित्व उनकी सामाजिक परिपक्वता से सार्थक रूप से प्रभावित नहीं होगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा प्रस्म्भाव्यता प्रतिचन के अन्तर्गत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग कर न्यादर्श का चयन किया गया है। शोधार्थी ने शोध कार्य हेतु उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के क्षेत्र को अध्ययन के लिए चयनित किया जो कि वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार वहां की जनसंख्या 4572951 है जिसमें 7–11 वर्ष आयु के 509926 बालक एवं बालिकायें हैं। उपर्युक्त आंकड़ों में से विभिन्न शासकीय एवं आशासकीय विद्यालयों से 300 उत्तर बाल्यावस्था के बालक एवं बालिकाओं का चयन किया गया। उत्तर बाल्यावस्था के बालक एवं बालिकाओं का चयन छात्रों की संख्या के आधार पर किया गया, इस प्रकार विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक स्तर के 7 से 11 वर्ष के बालक एवं बालिकायें प्रस्तुत शोध में समग्र का निर्धारण करेगी।

तथ्य संकलन–प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के तथ्य संकलन का प्रयोग शोधार्थी ने अपने शोध अध्ययन में किया।

अनुरूपी लेखक/संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

मापन के उपकरण अथवा मनोवैज्ञानिक परीक्षण :

1. व्यक्तित्व सम्बन्धी मापनी – डॉ0 एस0डी0 कपूर
2. सामाजिक परिपक्वता मापनी – डॉ0 आर0पी0 श्रीवास्तव

उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व विकास के मध्य सार्थकता के स्तर के प्रतिशत को प्रदर्शित करने वाली तालिका–

व्यक्तित्व सम्बन्धी कारक	व्यक्तित्व प्राप्तांक स्तर				t	P
	समूह	संख्या	माध्य	विचलन		
A	बालक	150	4.33	1.72	0.054	>0.05
	बालिका	150	4.34	1.51		
	योग	300	4.33	1.62		
B	बालक	150	3.88	1.48	4.533	<0.05
	बालिका	150	4.66	1.58		
	योग	300	4.27	1.54		
C	बालक	150	4.36	1.49	0.639	>0.05
	बालिका	150	4.25	1.49		
	योग	300	4.31	1.49		
D	बालक	150	3.99	1.24	3.380	<0.05
	बालिका	150	4.54	1.56		
	योग	300	4.97	1.43		
E	बालक	150	4.57	1.39	0.488	>0.05
	बालिका	150	4.49	1.45		
	योग	300	4.53	1.42		
F	बालक	150	4.53	1.80	0.100	>0.05
	बालिका	150	4.55	1.66		
	योग	300	4.54	1.73		
G	बालक	150	4.41	1.03	0.342	>0.05
	बालिका	150	4.37	1.46		
	योग	300	4.39	1.45		
H	बालक	150	4.09	1.57	0.735	>0.05
	बालिका	150	4.23	1.93		
	योग	300	4.16	1.65		
I	बालक	150	4.87	1.39	2.567	<0.05
	बालिका	150	4.39	1.82		
	योग	300	4.63	1.64		
J	बालक	150	5.96	1.43	8.217	<0.01
	बालिका	150	4.37	1.89		
	योग	300	5.17	1.85		
N	बालक	150	5.73	1.52	5.879	<0.01
	बालिका	150	4.61	1.77		
	योग	300	5.17	1.74		
O	बालक	150	5.53	1.55	6.045	<0.05
	बालिका	150	4.28	1.80		
	योग	300	4.90	1.79		
Q3	बालक	150	5.67	1.41	6.524	<0.05
	बालिका	150	4.53	1.61		
	योग	300	5.10	1.62		
Q4	बालक	150	5.88	1.52	8.407	<0.05
	बालिका	150	4.33	1.67		
	योग	300	5.10	1.77		

उत्तर बाल्यावस्था के बालकों की सामाजिक परिपक्वता के मध्य सार्थकता के स्तर के प्रतिशत को प्रदर्शित करने वाली तालिका :

समूह	सामाजिक परिपक्वता			t	p
	संख्या	माध्य	विचलन		
बालक	150	57.79	7.06	25.257	<0.05
बालिका	150	72.80	1.77		
योग	300	60.95	7.57		

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसम्बन्ध दर्शाने वाली तालिका :

व्यक्तित्व सम्बन्धी कारक	व्यक्तित्व एवं सामाजिक परिपक्वता सह सम्बन्धी			
	संख्या	माध्य	विचलन	सहसम्बन्ध
A कारक	300	4.33	1.62	+0.125
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
B कारक	300	4.27	1.54	+0.111
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
C कारक	300	4.31	1.49	-0.054
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
D कारक	300	4.97	1.43	+0.078
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
E कारक	300	4.53	1.42	+0.076
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
F कारक	300	4.54	1.73	+0.026
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
G कारक	300	4.39	1.45	+0.075
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
H कारक	300	4.16	1.65	+0.055
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
I कारक	300	4.63	1.64	-0.020
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
J कारक	300	5.17	1.85	-0.110
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
N कारक	300	5.17	1.74	-0.069
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
O कारक	300	4.90	1.79	-0.037
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
Q 3 कारक	300	5.10	1.62	-0.109
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	
Q 4 कारक	300	5.10	1.77	-0.144
सामाजिक परिपक्वता	300	60.95	7.57	

व्याख्या एवं परिणाम : तालिका क्रमांक 1 उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व विकास के मध्य सार्थक विभिन्नता के स्तर को प्रकट करती है। व्यक्तित्व सम्बन्ध कारक–14 हैं जिसमें कारक में दोनों समूहों के मध्य सार्थक विभिन्नता ज्ञात करने पर ज का मान 0.054 प्राप्त हुआ जो 0.05 पर असार्थक सिद्ध हुआ। कारक में ज का मान 4.533 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर अपनी सार्थकता अभिव्यक्त करता है। कारक के मध्य 0.639 ज मान प्राप्त हुआ जो 0.05 स्तर पर असार्थकता अभिव्यक्त करता है।

कारक के मध्य ज कार मान 3.380 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर सार्थकता प्रकट करता है। कारक के मध्य ज मान 0.488 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर असार्थकता को सिद्ध करता है। कारक के मध्य का मान 0.100 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर असार्थक प्रदर्शित हुआ। कारक की भिन्नता का ज मान 0.342 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर सार्थकता व्यक्त नहीं करता।

कारक के मध्य भिन्नता का ज मान 0.735 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर असार्थकता अभिव्यक्त करता है। कारक के मध्य ज का मान 2.567 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर सार्थक अभिव्यक्त हुआ। J कारक के मध्य ज मान 8.217 प्राप्त हुआ जो कि 0.01 स्तर पर अपनी उच्च सार्थकता व्यक्त करता है। कारक के मध्य का ज मान 5.879 प्राप्त हुआ है जो कि 0.01 स्तर पर उच्च सार्थकता दर्शाता है। कारक के मध्य ज का मान 6.045 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर सार्थकता प्रदर्शित करता है। Q 3 कारक के मध्य ज मान 6.524 पाया गया जो कि 0.05 स्तर पर सार्थकता दर्शाता है। 4 कारक के मध्य ज का मान 8.407 प्राप्त हुआ जो 0.05 पर सार्थता प्रकट करता है।

तालिका क्रमांक 2 में उत्तर बाल्यावस्था के बालकों की सामाजिक परिपक्वता के मध्य सार्थकता के स्तर को प्रदर्शित करती है, जिसका मान 25.257 है जो 0.05 पर अपनी सार्थकता प्रकट करती है।

तालिका क्रमांक 3 में उत्तर बाल्यावस्था के बालकों के व्यक्तित्व विकास और सामाजिक परिपक्वता के मध्य सहसम्बन्ध दर्शाया गया है। व्यक्तित्व सम्बन्धी कारकों में क्रमशः A, B, D, E, F, G, H कारक में धनात्मक सहसम्बन्ध प्रदर्शित हुआ है तथा क्रमशः C, I, J, N, O, Q3 तथा Q4 कारकों के मध्य ऋणात्मक सहसम्बन्ध प्रदर्शित हुआ है।

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-15, No.- III, Issues-25, YEAR- July-Sept.-2022

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Blum, S.-Journal of Personality Development, Vol. 6, P. 117-119.
2. Eleder & Green (2005) Journal of Personality, P. 50-56.
3. Vora J.1. (1980) An Investigation Into Social maturity of Students of College of education in the context of some Psycho-Socio Correlates. Third Servey of Research of education (1978-1983) Buch M.B. (Ed.), New Delhi : NCERT.
4. मंगल एस0के0 (2011) शिक्षा मनोविज्ञान पी0एच0आई0 लर्निंग प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
5. गुप्ता, राम बाबू (2000) विकासात्मक मनोविज्ञान, अष्टम संस्करण, रतन प्रकाशन मन्दिर, आगरा।

*****